विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

बी.ए. (ऑनर्स) प्रथम सेमेस्टर 2022-23

नवीन शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

B.A. (Hons) Jyotirvigyan-Scheme of course & Examination

Semester Wise I[st] Semester

S. No.	Code	Course Components and Name of Course				Distribution of Credit	Marks		Total
			L	T	P	Total Credotes	Max Internal	Max External	
1.	Major I JYO-101-C	सिद्धान्त ज्योतिष	5	1	-	6	40	60	100
2.	Major II JYO-102-C	जातक शास्त्र	5	1	-	6	40	60	100
3.	Minor I JYO-103	ज्योतिषशास्त्र का इतिहास	3	1	-	4	40	60	100
4.	Minor II JYO-104 (GE-1)	रत्न और ज्योतिष	3	1	-	4	40	60	100
5.	AECC-1	सामान्य हिन्दी सामान्य अंग्रेजी	3	1	-	4	20 + 30 20 + 30	50 50	50 50
6.	SEC JYO-105 (SEC)	कुण्डली विज्ञान	5	1	-	6	40	60	100
	Total Credits and Marks					30			600

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान प्रथम सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MAJOR-I - JYO-101-C

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - सिद्धान्त ज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ज्योतिष गणित और फलित ज्योतिष से परिचित कराना है।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ज्योर्तिगणित की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई - 1	आर्ष ज्योतिष परिचय
	भारतीय ज्योतिष का स्वरूप, विकास एवं कालवर्गीकरण
इकाई - 2	पंचांग परिचय
इकाई - 3	भचक्र एवं ग्रह, राशियाँ एवं नक्षत्र स्वरूप तथा संज्ञाएँ
इकाई - 4	इष्टकाल साधन, अयनांश साधन, पलभा साधन
इकाई - 5	गोल परिभाषा (ज्योतिर्वेज्ञानिक परिभाषाएँ)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ

1. ज्योतिषशास्त्र - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, त्रिस्कन्ध ज्योतिष प्रकाशन, वाराणसी
2. गोल परिभाषा - डॉ. कामेश्वर उपाध्याय, त्रिस्कन्ध ज्योतिष प्रकाशन, वाराणसी
3. भारतीय ज्योतिष - डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् - श्री गणेशदत्त पाठक, सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान प्रथम सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MAJOR-II - JYO-102-C

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - जातक शास्त्र

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को फलित ज्योतिष से परिचित कराना है।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ज्योतिष की फलित दृष्टि से व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई - 1	राशिबलाध्याय
इकाई - 2	ग्रहबलाध्याय, ग्रह मैत्रीविचाराध्याय
इकाई - 3	ग्रहस्वरूपगुणाध्याय, सूतिकाध्याय
इकाई - 4	अरिष्टाध्याय, अरिष्टभङ्गाध्याय
इकाई - 5	नाभसयोगाध्यायः

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क 100

अनुशंसित ग्रन्थ

1. लघुजातक - डॉ. ब्रह्मानंद त्रिपाठ, चौखंभा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. वृहदजातक - अमित कुमार शुक्ल, श्री ठाकुर प्रसाद पुस्तक भंडार, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान प्रथम सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MINOR-I JYO-103

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - ज्योतिषशास्त्र का इतिहास

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ज्योतिषशास्त्र की प्राचीनता, उसके इतिहास, विषयवस्तु और प्राचीन आचार्यों की कृतियों और उनके जीवन परिचय की जानकारी देना है।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ज्योतिष के गौरवशाली समृद्ध इतिहास और प्राचीन ज्योतिष आचार्यों की ज्ञान परम्परा से अवगत होंगे।

इकाई - 1 वैदिक कालीन ज्योतिष परिचय - विश्वोतपत्ति, कल्प, युग, वर्ष, सौरमास, अयन, ऋतु, मास, पूर्णिमान्त और अमान्त मास, दिनमान, मुहूर्त, नक्षत्र, उल्का, धूमकेतु, वर्ष का आरम्भ, सायन चांद्र-सौर मास, सूर्य गति, पञ्च संवत्सरात्मक युग, पृथ्वी, अन्तरिक्ष, द्यौ और पृथ्वी का गोलत्व ।

इकाई - 2 वेदाङ्गकालिन ज्योतिष परिचय - ऋग्वेद ज्योतिष, यजुर्वेद ज्योतिष, अथर्व ज्योतिष स्मृति, महाभरत, वेदाङ्ग ज्योतिष पद्धति, पाण्डव काल, ग्रह युति, संहिता स्कन्ध ।

इकाई - 3 ज्योतिष आचार्यों और उनकी कृतियों का परिचय - प्रथम आर्यभट्ट, वराह मिहिर, ब्रह्मगुप्त, श्रीधर, महावीर, बलभद्र, द्वितीय आर्यभट्ट, भटोत्पल, महेश्वर, भास्कराचार्य, केशव, गणेश दैवज्ञ, विश्वनाथ, रंगनाथ, नित्यानन्द, दिनकर, नीलाम्बर शर्मा, पद्मनाभ, दामोदर, ज्ञानराज ।

इकाई - 4 पाश्चात्य ज्योतिष का इतिहास ।

इकाई - 5 पञ्चस्कन्धात्मक ज्योतिष परिचय ।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. भारतीय ज्योतिष - शिवनाथ झारखण्डी
2. भारतीय ज्योतिष का इतिहास - डॉ. गोरख प्रसाद
3. आओ ज्योतिष सीखे, रीना पब्लिकेशन्स

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान प्रथम सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MINOR - II - JYO-104 (GE-1)

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - रत्न और ज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रत्न और ज्योतिष के अन्तः सम्बन्ध का ज्ञान कराना है ।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ज्योतिष और रत्न के अन्तः सम्बन्ध को जानकर जातक की समस्याओं का समाधान कर सकेंगे ।

इकाई - 1	रत्नों का परिचय, ज्योतिष ग्रन्थों में रत्नों की उत्पत्ति, लक्षण और परीक्षा ।
इकाई - 2	ग्रहों से संबंधित धातु, रत्न और उपरत्न ।
इकाई - 3	ग्रहों की कारक स्थिति ।
इकाई - 4	जन्म कुण्डली के अनुसार रत्नों का निर्धारण ।
इकाई - 5	रत्न धारण करने के शास्त्रीय सिद्धान्त ।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. बृहत्संहिता, रंजन पब्लिकेशन
2. सम्पूर्ण रत्न विज्ञान, मनोज पब्लिकेशन

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान प्रथम सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - SEC - JYO-105 (SEC)

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - जन्म कुण्डली विज्ञान

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की जन्म कुण्डली निर्माण और कुण्डली सम्बन्धी प्राथमिक ज्ञान कराना है।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी जन्म कुण्डली निर्माण और फलादेश सीखकर किसी भी कुण्डली का विवेचन और मार्गदर्शन कर सकेंगे ।

इकाई - 1	भारतीय ज्योतिष की प्राचीनता, पञ्च स्कन्ध परिचय, कालमान ।
इकाई - 2	पञ्चाङ्ग परिचय और विवेचन तिथि, वार, नक्षत्र, योग करण ।
इकाई - 3	राशि और ग्रह परिचय ।
इकाई - 4	जन्म कुण्डली के द्वादश भावों का परिचय, भावों से विचारणीय विषय भाव-भावेश विवेचन ।
इकाई - 5	लघु जन्म कुण्डली निर्माण, इष्टकाल की परिभाषा, इष्टकाल ज्ञात करने के नियम, भयात, भभोग ज्ञात करना, जन्म नक्षत्र चरण ज्ञात करना, चन्द्र राशि ज्ञात करना, जन्म पाया मूलादि में जन्म का ज्ञान ।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. कैशवीय जातक पद्धति - चौखम्बा प्रकाशन
2. आओ ज्योतिष सीखे - रीना पब्लिकेशन्स

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

बी.ए. (ऑनर्स) द्वितीय सेमेस्टर 2022-23

नवीन शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

B.A. (Hons) Jyotirvigyan-Scheme of course & Examination
Semester Wise IInd Semester

S. No.	Code	Course Components and Name of Course				Distribution of Credit	Marks		Total
			L	T	P	Total Credotes	Max Internal	Max External	
1.	Major I JYO-201-C	संहिता ज्योतिष	5	1	-	6	20 + 20	60	100
2.	Mahor II JYO-202-C	वास्तु ज्योतिष	5	1	-	6	20 + 20	60	100
3.	Minor I JYO-203	शकुन ज्योतिष	3	1	-	4	20 + 20	60	100
4.	Minor II JYO-204 (GE-2)	अंक ज्योतिष	3	1	-	4	20 + 20	60	100
5.	AECC-2	पर्यावरण अध्ययन योगा	3	1	-	4	20 + 20	60	100
6.	SEC	कुण्डली विज्ञान परियोजना कार्य + मौखिकी	5	1	-	6	40 Viva	60 Project	100
	Total Credits and Marks					30			600

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MAJOR-I JYO-201-C

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - संहिता ज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संहिता ज्योतिष से परिचित कराना है।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी संहिता ज्योतिष की दृष्टि से ज्योतिष की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई - 1 **बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर**

अध्याय 1 - उपनयनाध्याय

अध्याय 2 - सांवत्सरसूत्राध्याय

अध्याय 3 - आदित्याचाराध्याय

अध्याय 4 - चन्द्रचाराध्याय

इकाई - 2 **बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर**

अध्याय 5 - राहुचाराध्याय

अध्याय 6 - भौमचाराध्याय

अध्याय 7 - बुधचाराध्याय

अध्याय 8 - बृहस्पतिचाराध्याय

इकाई - 3 **बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर**

अध्याय 9 - शुक्रचाराध्याय

अध्याय 10 - शनैश्चराध्याय

अध्याय 11 - केतुचाराध्याय

अध्याय 12 - अगस्त्यचाराध्याय

इकाई - 4 **बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर**

अध्याय 13 - सप्तर्षिचाराध्याय

अध्याय 14 - कूर्मविभागाध्याय

अध्याय 15 - नक्षत्रव्यूहाध्याय

अध्याय 16 - ग्रहभक्तियोगाध्याय

इकाई - 5

बृहत्संहिता : आचार्य वराहमिहिर

अध्याय 17 - ग्रहयुद्धाध्याय

अध्याय 18 - शशिग्रहसमागमाध्याय

अध्याय 19 - ग्रहवर्षफलाध्याय

अध्याय 20 - ग्रहशृङ्गाटकाध्याय

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ

1. बृहत्संहिता - आचार्य वराहमिहिर - टीकाकार - श्री अच्युतानन्द झा, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
2. बृहत्संहिता - आचार्य वराहमिहिर - टीकाकार - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, दिल्ली
3. बृहत्संहिता भाग-2 - टीकाकार - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, दिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MAJOR-II JYO-202-C

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - वास्तु ज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वास्तु ज्योतिष से परिचित कराना है।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वास्तु ज्योतिष की शास्त्रीय व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई - 1 वास्तुपुरुष का वर्णन और भू-शुद्धि, ग्रहनिर्माण विधि, भूमि परीक्षा विधि, ग्रहारम्भ मुहूर्त।

इकाई - 2 ग्रहों का विचार, शिलान्यास विधि, प्रसाद निर्माण, जलाशय विचार।

इकाई - 3 ग्रह निर्माण हेतु वृक्ष-छेदन, काष्ठ विचार, गृह प्रवेश मुहूर्त ।

इकाई - 4 वास्तु पूजन मुहूर्त, शयन विचार, शय्या, काष्ठफल, शय्या-आसन, लक्षण ।

इकाई - 5 दुर्ग निर्माण, शल्योद्धार (हड्डी), गृह वेध निर्णय ।

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ

1. विश्वकर्मा प्रकाश, श्री ठाकुर प्रसाद पुस्तक भंडार, वाराणसी
2. बृहद्वास्तुमाला , चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MINOR-I JYO-203

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - शकुन ज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शकुनों के माध्यम से भविष्य ज्ञान और कार्य की सिद्धि-असिद्धि का ज्ञान कराना है।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के शकुनों का अध्ययन करके सफलतापूर्वक व्यक्ति के जीवन संबंधी विभिन्न प्रश्नों के उत्तर व समाधान प्रस्तुत कर सकेंगे ।

इकाई - 1	शकुन की परिभाषा एवं परिचय ।
इकाई - 2	स्वप्न संबंधी विभिन्न शकुन-अपशकुन ।
इकाई - 3	प्रकृति, वनस्पति एवं जीव-जन्तु से जुड़े शकुन ।
इकाई - 4	विभिन्न प्रकार की वस्तुओं एवं विभिन्न तिलों से संबंधित शकुन-अपशकुन ।
इकाई - 5	वर्षा संबंधी विभिन्न प्रकार के शकुन-अपशकुन एवं शकुन-अपशकुन संबंधी विभिन्न प्रकार के उपचार ।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. बृहत्संहिता, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली
2. स्वप्न विज्ञान, मनोज पब्लिकेशन, दिल्ली
3. शकुन-अपशकुन द्वारा भविष्य ज्ञान, पवन पॉकेट बुक्स, दिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MINOR-II - 204 (GE-2)

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - अंक ज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी व्यक्ति की जन्म दिनांक, नाम के आधार पर जीवन के विभिन्न पक्षों से जुड़ी समस्याओं और समाधान का ज्ञान कराना है।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न जन्म-पत्रिका के अभाव में मूलांक नामांकन के अनुसार व्यक्ति के जीवन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान प्रस्तुत कर सकेंगे।

इकाई - 1	अंक ज्योतिष का परिचय एवं मूलांक, भाग्यांक विवेचन ।
इकाई - 2	अंकों का जीवन पर प्रभाव एवं विभिन्न मासों में जन्म लेने वाले जातकों का फलादेश ।
इकाई - 3	मूलांक 1 से 4 के जातक का स्वभाव एवं विशेषता, शिक्षा, परिवार और अन्य सम्बन्ध, स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति एवं व्यवसाय, अनुकूल-प्रतिकूल आयु वर्ष विवेचन ।
इकाई - 4	मूलांक 5 से 9 के जातक का स्वभाव एवं विशेष्ता, शिक्षा, परिवार और अन्य सम्बन्ध, स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति एवं व्यवसाय, अनुकूल-प्रतिकूल आयु वर्ष विवेचन ।
इकाई - 5	मूलांक, नामांक के अनुसार निवास, वाहन आदि का विचार, अंकों के अनुसार मास-फल विचार एवं दैनिक भविष्य फल विचार ।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. अंक ज्योतिष, रीना पब्लिकेशन
2. अंकों में छुपा भविष्य, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

बी.ए. (ऑनर्स) तृतीय सेमेस्टर 2022-23

नवीन शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

B.A. (Hons) Jyotirvigyan-Scheme of course & Examination
Semester Wise IIIrd Semester

S. No.	Code	Course Components and Name of Course				Distribution of Credit	Marks		Total
			L	T	P	Total Credotes	Max Internal	Max External	
1.	Major I JYO-301-C	जैमिनी ज्योतिष	5	1	-	6	40	60	100
2.	Major II JYO-302-C	भाव ज्योतिष	5	1	-	6	40	60	100
3.	Minor I JYO-303	चिकित्सा ज्योतिष	3	1	-	4	40	60	100
4.	Minor II JYO-304 (GE-3)	लाल किताब ज्योतिष	3	1	-	4	40	60	100
5.	AECC-3	सामान्य हिन्दी सामान्य अंग्रेजी	3	1	-	4	20 20	30 30	50 50
6.	SEC JYO-305	षोडशवर्ग ज्योतिष	5	1	-	6	20+20	60	100
	Total Credits and Marks					30			600

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान तृतीय सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MAJOR-I JYO-301-C

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - जैमिनी ज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को जैमिनी सूत्र में उल्लिखित संज्ञाओं से परिचय कराना, कारकांश पद-उपपद का फलादेश करना, आयु का विचार करना और इसके अपवादों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी जैमिनीसूत्र में उल्लिखित ज्योतिषीय संज्ञाओं, जैमिनीसूत्र के अनुसार कारकांश पद-उपपद के फलादेश, जैमिनीसूत्र के अनुसार जातक की आयु का ज्ञान आदि की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई - 1	**जैमिनीसूत्रम्-संज्ञा प्रकरण**	व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
इकाई - 2	**जैमिनीसूत्रम्-कारकांश फलादेश**	व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
इकाई - 3	**जैमिनीसूत्रम् पद उपपद फलादेश**	व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
इकाई - 4	**जैमिनीसूत्रम् आयु विचार**	व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
इकाई - 5	**जैमिनीसूत्रम् आयुर्दाय अपवाद विचार**	व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ

1. जैमिनीसूत्रम् - श्री अच्युतानन्द झा, चौखंबा संस्कृत सीरिज, वाराणसी
2. जैमिनीसूत्रम् - श्री सीताराम शर्मा, चौखंबा विद्या भवन, वाराणसी
3. जैमिनीसूत्रम् - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स्, दिल्ली
4. जैमिनीसूत्रम् - आचार्य श्री कमलाकानत शर्मा
5. जैमिनी ज्योतिष का अध्ययन - डॉ. बी.वी.रमन, मोतीलाल बनारसीदार, दिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान तृतीय सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MAJOR-II JYO-302-C

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - भावज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भावज्योतिष ज्ञान से परिचित कराना है।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भावज्योतिष के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई - 1	**भावार्थरत्नाकर - अध्याय 11**
	व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
इकाई - 2	**भावार्थरत्नाकर - अध्याय 12**
	व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
इकाई - 3	**भावार्थरत्नाकर - अध्याय 13**
	व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
इकाई - 4	**भावार्थरत्नाकर - अध्याय 14**
	व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न
इकाई - 5	**भावार्थरत्नाकर - अध्याय 15**
	व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ

1. रामानुजाचार्यविरचित भावार्थरत्नाकर, रंजन पब्लिकेशन, नई दिल्ली ।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान तृतीय सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MINOR-I JYO-303

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - चिकित्सा ज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ज्योतिष और रोग विषयक ज्ञान कराना है ।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को रोगों के ज्योतिषीय योगों की जानकारी होने पर वह व्यक्ति और समाज को रोग होने की पूर्व जानकारी देने के साथ-साथ उचित निदान संबंधी परामर्श दे सकेंगे ।

इकाई - 1	जन्म कुण्डली, ग्रह एवं इनका रोगों से संबंध ।
इकाई - 2	शिरोरोग, नैत्ररोग, जिह्वारोग, मुखरोग, दन्तरोग, कर्णरोग, गलरोग ।
इकाई - 3	हृदयरोग, हृदय शूलरोग, उदर मन्दाग्नि और कुक्षीरोग, पित्तादिरोग, वातरोग, दीर्घरोग ज्वररोग, प्रमेहरोग, क्षयरोग ।
इकाई - 4	जलोदररोग, प्लीहारोग, गुल्मरोग, विद्रधि (पेट का फोड़ा), शूलरोग, अपस्माररोग, उन्माद, कुष्ठरोग, व्रणरोग ।
इकाई - 5	रोग कारक ग्रहों के शमनोपाय ।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. गदावली (मेडिकल एस्ट्रोलॉजी), रीना पब्लिकेशन ।
2. वीरसिंहावलोक, चौखम्बा प्रकाशन ।
3. ज्योतिष और रोग, मनोज पब्लिकेशन ।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान तृतीय सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MINOR-II JYO-304 (GE-3)

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - लाल किताब ज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को लाल किताब ज्योतिष पद्धति का अध्ययन कराना है।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी लाल किताब ज्योतिष पद्धति सीखकर सरलतम उपायों के द्वारा समस्याओं का ज्योतिषीय समाधान कर सकेंगे ।

इकाई - 1	लाल किताब के मूल सिद्धान्त ।
इकाई - 2	लाल किताब के अनुसार सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, गुरु ग्रह का द्वादश भावों में फल ।
इकाई - 3	लाल किताब के अनुसार शुक्र, शनि, राहु, केतु ग्रह का द्वादश भावों में फल ।
इकाई - 4	लाल किताब के अनुसार भवन, रोग, विवाह, आयु, यात्रा, संतान, आय-व्यय आदि समस्याओं का विचार ।
इकाई - 5	लाल किताब के अनुसार विभिन्न समारयाओं के उपाय ।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. लाल किताब, उमेश पुरी ज्ञानेश्वर रणधीर प्रकाशन, हरिद्वार ।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान तृतीय सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - SEC JYO-305

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - षोड़शवर्ग ज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को जन्मकुण्डली के षोडशवर्गों और उसके फलादेश के सम्बन्ध में ज्ञान कराना है।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी षोडशवर्गीय कुण्डली का विस्तृत दृष्टि से अध्ययन कर सटीक फलादेश कर सकेंगे ।

इकाई - 1	षोडशवर्ग का विस्तृत परिचय और उनके उपभाग ।
इकाई - 2	लग्न, होरा, द्रेष्काण, चतुर्थांश, साप्तमांश और नवांश वर्ग साधन ।
इकाई - 3	दशमांश, द्वादशांश, षोडशांश, विशांश, चतुर्विंशांश और सप्तविशांश वर्ग साधन ।
इकाई - 4	त्रिशांश, खवेदांश, अक्षवेदांश और षष्ठयंश वर्ग साधन ।
इकाई - 5	षोडशवर्गों से विचारणीय विषय एवं फलादेश ।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. बृहद्पाराशर होराशास्त्र, ठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार, वाराणसी ।
2. आओ ज्योतिष सीखे, रीना पब्लिकेशन्स ।
3. जातक पारिजात, चौखम्बा प्रकाशन, बनारस ।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

बी.ए. (ऑनर्स) चतुर्थ सेमेस्टर 2022-23

नवीन शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

ज्योतिर्विज्ञान

CBCS PATTERN

B.A. (Hons) Jyotirvigyan-Scheme of course & Examination

Semester Wise IVth Semester

S. No.	Code	Course Components and Name of Course				Distribution of Credit	Marks		Total
			L	T	P	Total Credotes	Max Internal	Max External	
1.	Major I JYO-401-C	वेदाङ्ग ज्योतिष	5	1	-	6	40	60	100
2.	Major II JYO-402-C	कृष्णमूर्ति ज्योतिष	5	1	-	6	40	60	100
3.	Minor I JYO-403	प्रश्न ज्योतिष	3	1	-	4	40	60	100
4.	Minor II JYO-404 (GE-4)	गोचर ज्योतिष	3	1	-	4	40	60	100
5.	AECC-4	महिला सशक्तिकरण उद्यमिता विकास	3	1	-	4	20 20	30 30	50 50
6.	SEC	षोडशवर्ग ज्योतिष परियोजना कार्य + मौखिकी	5	1	-	6	40 Viva	60 Project	100
	Total Credits and Marks					30			600

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MAJOR-I JYO-402-C

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - वेदाङ्ग ज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय वाङ्मय से परिचय कराना है, वेद दुनिया के प्राचीनतम् ज्ञान अभिलेख हैं। ज्योतिष वेद के अङ्ग क्षेत्र के रूप में स्वीकृत है। वेदाङ्ग में उल्लिखित काल की विभिन्न इकाईयों नक्षत्रों की संज्ञा का वर्गीकरण और गर्भाधान की शुभ तिथियों के ज्ञान प्राप्त से परिचित कराना है।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वेदाङ्ग ज्योतिष का परिचय, युग, संवत्सर, अयन, ऋतु और मास का ज्ञान, वेदाङ्ग ज्योतिष में उल्लिखित पर्व, विषुवत, अधिमास आदि का ज्ञान, नक्षत्रों के तारा के आधार पर मुहूर्त निर्धारण का ज्ञान आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई - 1	वेदाङ्ग ज्योतिष का सामान्य परिचय तथा रचनाकाल
इकाई - 2	वेदाङ्ग ज्योतिष में युग, संवत्सर, अयन, ऋतुमास
इकाई - 3	वेदाङ्ग ज्योतिष में पक्ष, तिथि, पर्व, विषुवत, नक्षत्र, अधिमास
इकाई - 4	आथर्वण ज्योतिष नक्षत्रों की संज्ञा तथा वर्गीकरण, नक्षत्र, गणानुसार फल निरूपण तथा नक्षत्र-पीडन
इकाई - 5	आथर्वण ज्योतिष गर्भाधान सम्बन्धी तिथियाँ तथा गर्भाधान विषयक कुछ अन्य विषय

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 । आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ

1. भारतीय ज्योतिष पं. शङ्कर बालकृष्ण दीक्षित, हिन्दी समिति, राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन, हिन्दी भवन, लखनऊ
2. संस्कृत वाङ्मय का वृहद इतिहास (द्वितीय वेदाङ्ग खण्ड) सम्पादक प्रो.ओमप्रकाश पाण्डेय, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
3. वैदिक ज्योतिष - डॉ. गिरिजाशङ्कर शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. वेदाङ्ग ज्योतिष - शिवराज आचार्य, चौखंबा विद्या भवन, वाराणसी
5. वेदाङ्ग ज्योतिष - डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स्, दिल्ली
6. आथर्वण ज्योतिषम् - डॉ. प्रयाग नारायण मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
7. अथर्ववेदीयज्योतिषम् - महर्षि अभय कात्यायन, चौखंबा विद्या भवन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MAJOR-II JYO-402-C

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - कृष्णमूर्ति ज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृष्णमूर्ति ज्योतिष पद्धति के द्वारा प्राचीन वैदिक ज्योतिष को आधुनिक तरीके से प्रस्तुत करना, जन्मपत्रिका के भाव एवं ग्रहों के अंश का निर्धारण नक्षत्र स्वामी उपस्वामी और उप-उपस्वामी के आधार पर फलित विश्लेषण से परिचित कराना है।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी कृष्णमूर्ति ज्योतिष पद्धति के द्वारा ज्योतिष की आधुनिकतम विद्या का ज्ञान, जन्मपत्रिका निर्माण, कारकेश का निर्धारण एवं उपस्वामी का ज्ञान, प्रश्न ज्योतिष का परम्परागत एवं आधुनिक ज्ञान के विविध विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई - 1 कृष्णमूर्ति ज्योतिष का सामान्य परिचय

इकाई - 2 कृष्णमूर्ति के अनुसार जन्मपत्रिका निर्माण

इकाई - 3 नक्षत्र राशि विभाजन, स्वामी, उपस्वामी तथा उप-उपस्वामी का सिद्धान्त

इकाई - 4 कृष्णमूर्ति के अनुसार कारकांश विश्लेषण

इकाई - 5 कृष्णमूर्ति पद्धति में प्रश्न ज्योतिष

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ

1. Reader - Casting the Horoscope by Prof K.S. krishnamurti
2. Reader II - Fundamental Principles of Astrology by Prof K.S. krishnamurti
3. Reader III Predictive Stellar astrology by Prof K.S. krishnamurti
4. Reader IV - Marriage, Married Life & Children by Prof K.S. krishnamurti.
5. Reader V- Transits by Prof K.S. krishnamurti
6. Reader VI - Horary Astrology by Prof K.S. Krishnamurti
7. कृष्णमूर्ति ज्योतिष पद्धति पर आधारित फलित ज्योतिष रहस्य यशवंत देसाई, डी.पी.बी.पब्लिकेशन्स, दिल्ली
8. कृष्णमूर्ति ज्योतिष रहस्य सुरेश शहासने, श्री गणेश प्रकाशन, मुम्बई
9. कृष्णमूर्ति पद्धति - के.एस. कृष्णमूर्ति, कृष्णमूर्ति पब्लिकेशन्स, दिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MINOR-I JYO-403

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - प्रश्न ज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को प्रश्न ज्योतिष का ज्ञान कराना है ।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से जन्मकुण्डली के अभाव में प्रश्न कुण्डली के माध्यम से विद्यार्थी पृच्छक की समस्याओं का समाधान कर सकेंगे ।

इकाई - 1	प्रश्न ज्योतिष में राशि विचार ।
इकाई - 2	प्रश्न ज्योतिष में ग्रह विचार ।
इकाई - 3	प्रश्न ज्योतिष में केन्द्र स्थान से विचारणीय विषय, भावों का बलाबल विचार, कार्य की सिद्धि-असिद्धि विचार, खोई हुई वस्तु और मुष्टिकादि प्रश्न विचार, धातु-मूल जीवादि चिंता, रोग शान्ति, शत्रु निवृत्ति आदि का विचार ।
इकाई - 4	प्रश्न ज्योतिष में वादि-प्रतिवादी संबंधी योग, संधि-विग्रह विचार, लाभ-हानि विचार ।
इकाई - 5	प्रश्न ज्योतिष के अनुसार नष्ट वस्तु प्राप्ति, चोरी का ज्ञान, विवाह, वृष्टि, मनोगत चिन्ता, प्रवास आदि का ज्ञान ।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. षट्पञ्चाशिका, रीना पब्लिकेशन ।
2. षट्पञ्चाशिका, मनोज पॉकेट बुक्स दिल्ली ।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम बी.ए. (ऑनर्स) ज्योतिर्विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र - MINOR-II JYO-404 (GE-4)

प्रश्न-पत्र का शीर्षक - गोचर ज्योतिष

कुल अंक 60

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य गोचर ग्रहों के अनुसार विद्यार्थी को फलादेश का ज्ञान कराना है ।

Course outcomes :

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी जन्म पत्रिका का गोचर ग्रहों के अनुसार सामंजस्यपूर्ण फलादेश कर सकेंगे।

इकाई - 1	गोचर ज्योतिष का परिचय और उपयोगिता ।
इकाई - 2	गोचर ज्योतिष के मूलभूत तत्वों का विवचेन ।
इकाई - 3	सूर्यादि ग्रहों का द्वादश भाव में गोचर फल ।
इकाई - 4	ग्रहों की गोचर फल कथन विधि का विवेचन ।
इकाई - 5	अशुभ गोचर ग्रह फल निवारण विधि ।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. मुहूर्त चिन्तामणी, चौखम्बा प्रकाशन ।
2. गोचर ज्योतिष, रणधीर प्रकाशन, हरिद्वार ।